डॉ. सुरेन्द्र डी. सोनी

---

० 15 अक्टूबर 1965 को राजस्थान के चूरू ज़िले के ताल छापर कस्बे में जन्म।

० माता - श्रीमती लक्ष्मी देवी जी, पिता - स्वर्गीय श्री धर्मचन्द जी सोनी।

० 'उत्तरदायित्त्वपूर्ण पर्यटन तथा चूरू जिले की हवेली-सम्पदा' विषय पर पीएच.डी.।

० वर्तमान में राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चूरू, राजस्थान में प्रोफ़ेसर (इतिहास)के पद पर कार्यरत।

० राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर के पाठ्यक्रम में पढ़ाई जा रही कक्षा दस की पुस्तक 'सामाजिक ज्ञान' के लेखक-मण्डल की सदस्यता।

० राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर के पाठ्यक्रम में कक्षा ग्यारह में पढ़ाई गई पुस्तक 'विश्व का इतिहास' के लेखक-मण्डल की सदस्यता।

० राजस्थान ओपन बोर्ड के पाठ्यक्रम में पढ़ाई जा रही कक्षा दस की पुस्तक 'भारतीय संस्कृति व विरासत' के लेखक-मण्डल की सदस्यता।

० राष्ट्रीय / अन्तरराष्ट्रीय / राज्यीय सेमिनारों / काँफ्रेंसों / वर्कशोपों आदि में सहभागिता - 165

० विभिन्न राष्ट्रीय / अन्तरराष्ट्रीय शोध-पत्रिकाओं में पत्रों / पाठों का प्रकाशन - 34

० 2013 में 'मैं एक हरिण और तुम इंसान' नाम से बोधि प्रकाशन, जयपुर द्वारा आधुनिक हिन्दी कविता का संग्रह प्रकाशित।

० 2019 में बोधि प्रकाशन, जयपुर द्वारा 'बात-कलश' नाम से पं. कुंजविहारी शर्मा की राजस्थानी पुस्तक 'बाताँ ही चालै' का हिन्दी-अनुवाद प्रकाशित।

० 2022 में 'रेत-कलश' नाम से बोधि प्रकाशन, जयपुर द्वारा आधुनिक हिन्दी कविता का संग्रह प्रकाशित।

० हिन्दी-साहित्य में डायरी पर डायरी लिखने की एक नई विधा 'प्रतिडायरी' को जन्म दिया, जिसका पहला भाग 2016 में श्रीगंगानगर से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'सृजनकुंज' ने पूरा छापा।

० 10 वर्ष तक 'चूरू लोकदूत' समाचार-पत्र में राजस्थानी भाषा का चार लाइनी दैनिक स्तम्भ 'कुचरणी' लिखा। बाद में 'डेजर्ट टाइम्स' में 'कुबद' व 'दैनिक अम्बर' में 'जय कुबद' नाम से राजस्थानी भाषा के चार लाइनी दैनिक स्तम्भ लिखे।

० अनेक सम्पादित संकलनों में प्रमुख कवि के रूप में शामिल।

० राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर की शासी परिषद् के सदस्य के रूप में कार्य।

० राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर की शासी परिषद् के सदस्य के रूप में कार्य।

० महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की अकादमिक काउंसिल के सदस्य के रूप में कार्य।

० विभिन्न विश्वविद्यालयों के बोर्ड ऑफ स्टडीज व डिपार्टमेंटल रिसर्च कमेटी की सदस्यता।

० अनेक राजकीय व गैर राजकीय भर्ती निकायों के साक्षात्कार-मण्डलों की सदस्यता।

० विभिन्न अकादमिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक उत्सवों में सक्रिय सहभाग।

० देश-प्रदेश से प्रकाशित होने वाली विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में गतिमान उपस्थिति।

० सोशल मीडिया के विभिन्न पटलों पर निरन्तर सक्रियता।

० इतिहास व संस्कृति से जुड़े विषयों के प्रस्तुतीकरण के लिए निरन्तर यात्राएँ।

० इतिहास व साहित्य की अनेक पुस्तकें प्रकाशनाधीन।